डिजी यात्रा सेवाओं का विस्तार

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में डिजी यात्रा फाउंडेशन के सीईओ ने प्रस्ताव दिया है कि हवाई अड्डों पर उपयोग की जाने वाली **डिजी यात्रा तकनीक** का उपयोग होटलों एवं ऐतिहासिक स्मारकों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर भी किया जा सकता है।

- 'डिजी यात्रा' **बायोमेट्रिक इनेबल्ड सीमलेस ट्रैवल एक्सपीरियंस (BEST)** आधारित फेशियल-रिकग्निशन तकनीक है।
  - इससे हवाई अड्डों पर बायोमेट्रिक्स का उपयोग करके चेक-इन सेवाएँ मिलती हैं जिससे हवाई अड्डों पर कागज़ रहित आवाजाही सुलभ होती है।
  - यह **नागरिक उड्डयन मंत्रालय** द्वारा समन्वित एक उद्योग-आधारित पहल है।
  - वर्ष 2022 में इसकी शुरुआत के बाद से वर्तमान में इसके तहत **14 हवाई अड्डे शामिल** हैं तथा वर्ष 2024 के अंत तक 15 अतिरिक्त हवाई अड्डों को इसके तहत शामिल किया जाएगा।
- होटलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में डिजी यात्रा के संभावित अनुप्रयोग से पता चलता है कि इसको हवाई क्षेत्र से अतिरिक्त क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकता है।
- **चिंताएँ:**
  - **गोपनीयता का उल्लंघन:** इससे सरकार को लोगों के यात्रा पैटर्न के संबंध में जानकारी मिल सकती है।
  - **डेटा सुरक्षा:** इसके तहत यात्रियों के बायोमेट्रिक डेटा को एकत्र किया जाना शामिल है।
- **डिजी यात्रा फाउंडेशन** एक **गैर-लाभकारी निजी कंपनी** है, जिसमें **निजी हवाई अड्डों के संघ की 74% हिस्सेदारी** तथा **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की 26% हिस्सेदारी** है।

और पढ़ें...डिजी यात्रा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/expansion-of-digiyatra-services